

औसत भारत बेरोजगार है

भारत सरकार के मुख्य अर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का मानना है कि सरकार बेरोजगारी जैसी सभी सामाजिक और अर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती। जब बेरोजगारी की बात उठती है, तो समाधान की तुलना में अंदाजा लगान आसान होता है वह अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और मानव विकास संस्थान की द्वारा भारत रोजगार रपट 2024 ल्ह को पेश किए जाने के अवसर पर बोल रहे थे यदि बेरोजगारी सरकार का कोई सरोकार नहीं है, तो देश के जीडीपी के आंकड़े और अर्थिक विकास दर कैसे तय की जाती है। व्या जीडीपी के भारत के हवा-पानी का ही कोई संकलन है? जीडीपी देश के नागरिकों के रोजगार, उनके संसाधन और अंशदान के आधार पर ही आकर लेता है। बेशक हमारी अर्थव्यवस्था की विकास-दर निरंतर जारी है। फरवरी, 2024 में जो डाटा सामने आया है, उसके मुताबिक, जीडीपी की विकास-दर 2023-24 में 7.6 फीसदी रहेगी। यह पहले के अनुमान 7.3 फीसदी से अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में यह आकलन किया गया है कि 2024-25 में विकास-दर 7 फीसदी रह सकती है। हमारी विकास-दर दरिया के सभी बड़े देशों



पुरुषादाप पद जागीहाता लेखक वरिष्ठ स्तंभकार

10

अंततः गिरफ्तार कर लिए गए। उन दिल्ली में हुए शराब घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया। केजरीवाल अपनी राजनीतिक यात्रा अन्ना हजारे के शिष्य के तौर पर शुरू की थी उनकी गिरफ्तारी पर अन्ना हजारे जो कहा, उसका सार है कि उसे उसके कर्मों का फल मिला। उनके एक अपूर्व सहयोगी कुमार विश्वास, जिनवास दावा है कि वह केजरीवाल की रग-राजनीति जानता है, की टिप्पणी है कि जैसा पेंडल बोया वैसा फल खाया। इसे केजरीवाल के जीवन का सर्वाधिक विरोधाभास ही कहा जाएगा कि उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा कठुर ईमानदार हो के नारे के साथ शुरू की थी और उनकी गिरफ्तारी कठुर भ्रष्टाचार के मामले हुई। तथाकथित भ्रष्टाचार भी लोगों व शराब सप्लाई करने के मामले का जिसका उल्लेख अन्ना हजारे ने किया कि मेरे साथ तो वह शराब हटाकर की बात करता था और अब ह्वशराब फैलानेहै लगा। दरअसल केजरीवाल को अपने पकड़े जाने का अदैशा उन दिन हो गया था जिस दिन उनके एमंत्री सत्येन्द्र जैन इसी केस में पकड़े गए थे और तमाम कानूनी दांवपेंचों व बाद भी नहीं छूटे। यह अदैशा उस दिन खतरा बन गया जब उनकी सरकार के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इन

तक जेल में हैं। इस खतरे पर मोहर उनके एक दूसरे सहयोगी सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी ने लगा दी। शुरू में केजरीवाल को लगता था कि उनके पकड़े गए सहयोगियों की जल्दी ही जमानते हो जाएंगी और कानून के हाथ उन तक नहीं पहुँच पाएंगे। लेकिन जब इनको जेल में बैठे साल से भी ज्यादा होने लगा तो केजरीवाल समझ गए कि शराब घोटाला उनके गले की फांस बन गया है।

इसी भय के कारण उनकी हरकतें किसी डरे हुए आदमी की तरह होने लगी थीं। डरा हूँआ आदमी किसी भी तरह रहत पान के लिए बार-बार कच्छहरी की ओर भागता है। वैसे भी बड़े-बड़े वकील विश्वास दिला ही देते हैं कि केस में कुछ नहीं है, आपका कोई बाल बांका नहीं कर सकता है। राम जेटमलानी इसके बारे में एक कथा सुनाया करते थे। जिजासा हो तो गूगल में खोजें। वैसे शक तब भी बढ़ गया था जब उनके वकील के कानूनी तर्क यह भी होने लगे थे कि केजरीवाल अपनी कमीज पैंट के अंदर नहीं डालते। वे खांटी आम आदमी हैं। लेकिन साथ ही यह भी बताते रहे कि मुख्यमंत्री भी हैं, इसलिए उनके पास गिरफ्तार होने के लिए समय नहीं है। वे लगातार जनता की सेवा में लगे हैं। लेकिन कानून आप आदमी के लिए है। इसी कानून के चलते लाल यादव, ओम प्रकाश चौटाला बरसों जैल में रहे। उनके पास तो जनता की सेवा करते समय भी जेंडर जाने का समय था, लेकिन केजरीवाल को जब भी कानून का समन आता था तो वे कभी होली, कभी दिवाली व बहाना बना कर जाने से इकारां कर देते थे। पहले तो वे यही कहते रहे कि किसी को भी मुझे समन करने का अधिकार ही नहीं है। फिर कहने लगे जिसने जो पूछा हो, मुझसे वर्वुअल पूछ लें। कानून को अपने दरवाजा तक आने से रोकने के लिए उन्होंने हर तरीका इस्तेमाल किया। लेकिन जिस शराब घोटाले में वे विरो हुए थे उस शराब की गंध उनका पीछा नहीं छोड़ रही थी। छोड़ती भी कैसे, जब एक बोतल खरीदने पर दूसरी बोतल मुफ्त में मिल रही थी। कहा भी गया है मुफ्त की शराब तो काजी को भी हलाल होती है। इसी मुफ्त की शराब ने ह्वाइल्टी के इस काजीहां को भी नगा कर दिया जो कभी भ्रष्टाचार व शराब को हाथ तक न लगाने की कसर खाता था। लेकिन एक और मामला सचमुच चित्तित करता है। जर्मनी भारत सरकार को कहा है कि अरविं जेजरीवाल को न्याय मिलना चाहिए। भारत सरकार को दिल्ली स्थित उन्हें

A portrait of Arvind Kejriwal, the Chief Minister of Delhi. He is seated in a black leather office chair, facing the camera. He has dark hair, a mustache, and is wearing glasses. He is dressed in a light blue, short-sleeved button-down shirt. The background consists of three Indian flags arranged horizontally behind him. The flags are white, green, and orange, with the Ashoka Chakra in the center of each.

की न्याय व्यवस्था सर्विधान से चलती है। इसलिए जर्मनी को बेवजह चिल्ला नहीं चाहिए। अब जर्मनी की सरकार के जरीवाल को लेकर चिंता प्रकट करती है तो यकीन विदेशी अखबारों में सुर्खियां तो बनेंगी। लेकिन उसके कुछ दिन बाद अमरीका की सरकार ने अपना मुंह खोला। उसने कहा कि हम आशा करते हैं कि केजरीवाल के साथ न्याय होगा। मुझे लगता है बारी-बारी से अब कुछ और देश भी केजरीवाल के प्रति अपनी चिंता प्रकट करेंगे। इन देशों का सरगना यहि अमरीका को ही मान लिया एहां तो यकीन वही निर्णय करता होगा कि केजरीवाल की चिंता करने के लिए किस देश की बारी कब आएगी। लेकिन असली प्रश्न थोड़ा और गहरा है। कुछ दिनों के अंतराल के बाद दो प्रदेशों के मुख्यमंत्री प्रध्याचार के मामले में गिरफ्तार किए गए हैं। सबसे पहले झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गिरफ्तार किए गए थे। उसके कुछ दिनों के बाद दिल्ली नगर के मुख्यमंत्री अरविंद के जरीवाल गिरफ्तार किए गए। न जर्मनी ने और न ही अमरीका ने भारत से इस बात की गुजारिश की कि हेमंत सोरेन से न्याय किया जाना चाहिए। लेकिन क्या कारण है कि अरविंद के जरीवाल की गिरफ्तारी के तुरंत बाद जर्मनी और

हैं। यदि जरूरत पड़ी तो छिपे हुए ऐसे दूसरे पहलवान भी मैदान में उतरकर अपने करतब दिखाएंगे। के जरीवाल में ऐसा कौनसा चंबक है जो हेमंत में नहीं है। जिन दिनों के जरीवाल दिल्ली में अपना मजमा लगा रहे थे और अन्ना हजारे को बहला-फुसला कर बहां ले आए थे, तब मैंने इस विषय पर लिखा था। उस समय काग्रेस का पतन ही नहीं बल्कि दिल्ली के चाणक्यपुरी के अमरीका दूतावास के विशेषज्ञों ने आकलन कर लिया था कि आने वाले चुनावों में काग्रेस का धरातल खिसक रहा है। केवल खिसक ही नहीं रहा, बल्कि यह महल जर्जर हो चका है और 2014 के चुनाव का भार यह सह नहीं पाएगा, बल्कि भरभराकर गिर जाएगा। लेकिन इससे देश की राजनीति में बहुत बड़ा खालीपन पैदा हो जाएगा। पार्टी सबसे पुरानी तो है, पिछले दस साल से राज भी कर रही थी। काग्रेस के इस प्रकार लड़खड़ा जाने से शून्य उत्पन्न होगा, उसे कोई न कोई तो भरना ही। उस समय यह भी स्टॉप होने लगा था कि भारतीय जनता पार्टी इस शून्य को भर ही नहीं सकती, बल्कि वह उसके लिए बिल्कुल तैयार है।

अमरीका और उसके मजहबी साथियों की चिंता का यही सबसे बड़ा कारण था। भाजपा जिस भारतीयका व्यवस्था पर अविश्वास प्रकट करने के समान है।

लाल सागर : नौवहन में बाधा घातक

यह जलपोत लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर की कीमत वाला तथा करीब 37800 टन माल ले जाने की क्षमता से युक्त है। इस अभियान में भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस कोलकाता की विशेषज्ञता भूमिका रही क्योंकि उसने एम. वी. झान जलपोत के स्ट्रियरिंग सिस्टम और नेवीगेशनल सहायता व्यवस्था को अक्षम बना दिया था। निःसंदेह लाल सागर में हूती विद्रोहियों की घातक गतिविधियों देखकर जहां इस क्षेत्र से होकर की जाने वाली तेल आपूर्ति में व्यवधान पड़ा है, वहीं विटेंटा व्यापार भवित्व प्रत्यक्ष और परोक्ष स्तर से प्रभावित हुआ है। इस संकट से उभरने के लिए लाल सागर में सभी प्रकार के जलपोतों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की सामूहिक और सामयिक जरूरत है। आसपास वे समुद्री मार्गों की सुरक्षा के लिए सभी देशों को समय रहते सजग, सतर्क और सशक्त बनाना होगा ताकि आर्थिक और व्यापारिक विशेषी गतिविधियों पर समय रहते सही ढंग से लगान लगाई जा सके।



ડૉ. સુરંગ ફુમાર | મન્દ્ર
લેખક

୪

मन में हूता समुद्रा लूटरा से सबद्ध सधे
में निरंतर होती वृद्धि और लाल सागर
में व्यावसायिक जलयानों पर जा
हमले बड़ी चुनौती के रूप में उभरे
हैं। अदन का खाड़ी में हूती विद्रोहियों
ने 17 मार्च, 2024 के रोज एक और
जलयान को निशाना बनाकर कथित
रूप से हमला किया। हूती आतंकवादी
इजराइल का समर्थन करने के लिए
अमेरिका तथा ब्रिटेन को विशेष रूप
अपना विद्रोह प्रदर्शित करके इस क्षेत्र
में घातक हमले कर रहे हैं। यद्यन
हूती विद्रोहियों की तेजी के साथ बढ़ा
आक्रामक गतिविधियों ने न केवल
अपने विरोधियों को ही प्रभावित किया
है, बल्कि लाल सागर के इस संकट
इस क्षेत्र से होने वाला समुद्री व्यापार
बाधित हो रहा है। मालवाहक जलयान
का इस क्षेत्र से आवागमन बाधित हुआ

वहां वाल्यक भाग का इसमाल कर रहे दुनिया भर के देशों के मालवाहक जलपात लंबी दूरी तय करके आवाजाही कर रहे हैं, जिससे उनकी लागत में इजाफा हो रहा है। उल्लेखनीय है कि अदन दश्थिणी यमन का बंदरगाह शहर है, जहां देश की निर्वासित सरकार है। हूती विद्रोहियों ने इसी इलाके पर अनेक बार ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए हैं। परिणामस्वरूप अदन की खाड़ी से ईंधन और अन्य मालवाहक जलयानों की आवाजाही बाधित हुई है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे इजराइल को हमास के खिलाफ गाजा पट्टी में अपना आक्रमण बंद करने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। लाल सागर में हूती विद्रोहियों के आक्रमण से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की समस्या उत्पन्न हो गई है जिलयान कंपनियां परेशान तथा डरा हुई हैं क्योंकि लाल सागर अपनासे से उनका समय एवं लागत दोनों बढ़ जाते हैं, जिसका प्रत्यक्ष और परोपक्रम भ्रात्व आयात-निर्यात प्रगती पर पड़ेगा। ये हमले वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ी और कड़ी चुनौती बचुके हैं।

अमेरिका से मिली एक जानकारी के अनुसार 23 दिसम्बर, 2023 वाली हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से इजराइल को जाने वाले सभी देशों के जलपोतों पर हमला करने की चेतावनी दी थी। लाल सागर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग ट्रैकर रस्तों पर दो एंटीवैलेस्टिक मिसाइले १५ फायर करके इजराइल समर्थक देशों वाला आगाह किया था। सामरिक, आर्थिक व्यापारिक और कूटनीतिक दृष्टि से लाल सागर विश्व भूरे के सबसे संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण समुद्री मारे में गिना जाता

The image shows a large Ro-Ro (Roll-on/Roll-off) ship named "GALAXY LEADER". The ship has a white superstructure and a blue hull. It is sailing on a bright, blue sea. In the background, there are some small boats. The ship's name is written on the side of the hull.

ह। स्वेज नहर भू-भव्य सागर का लाल सागर से जोड़दी है। स्वेज नहर से प्रति वर्ष 17000 से ज्यादा जलपोत अपना आवागमन करते हैं। एक जानकारी के मुताबिक, लाल सागर से लगभग 12 प्रतिशत व्यार्थिक वैश्विक व्यापार किया जाता है। यदि हम भारत की बात करें तो हमारे देश का 200 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का व्यापार स्वेज नहर और लाल सागर के रास्ते से होता है। लाल सागर जल-डमरू वैश्विक कटेनर यातायात के 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 12 प्रतिशत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यूरोप के साथ भारत की लगभग 80 प्रतिशत वस्तुओं का व्यापार भी इसी मार्ग से होता है। इसी समुद्री मार्ग से भारत अपना 50 प्रतिशत निर्यात और 30 प्रतिशत आयात करता रहा है। वास्तव में लाल सागर में नौवहन का स्वतंत्रा सुनाई छिट करने का सामायिक आवश्यकता है। अदन की खाड़ी में हूती विद्रोहियों ने इसी माह एक और जलयान को निशाना बनाकर जोरदार हमला कर दिया। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंडम मैरीटाइम ट्रेड अपरेंशन्स केंद्र ने इस बारे में बताया कि वास्तव में आकस्मिक हमला अदन के अपतटीय क्षेत्र में हुआ। अमेरिकी सेना की मध्य कमान के अनुसार यमन में हूती के नियंत्रण वाले क्षेत्र में पांच ड्रोन नौका और एक ड्रोन को तबाह कर दिया गया है। यह अभी तक नष्ट की जाने वाली ड्रोन नौकाओं की सबसे अधिक संख्या है जो असामान्य है। भारतीय नौसेना अरब सागर के विभिन्न क्षेत्रों में समुद्री सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक अपने युद्धपोत तैनात किए हुए हैं समुद्री टोह लैने के लिए विमानों की भी तैनाती कर दी गई ह। भारतीय तस लगभग 1400 समुद्री मील (लगभग 2600 किलोमीटर) दूर लगातार लगभग 40 घंटे तक चलाए गए अपने अभियान के दौरान उसने न केवल माल्टीज ध्वज वाले अपहृत व्यापारिक जलयान एम. वी. रूपेन के चालक दल के 17 सदस्यों को सुरक्षित रहा कराया। बल्कि 35 सोमालियाई समुद्री लुटेरों को भी आत्मसमर्पण के लिए बाध्य कर दिया। इस अभियान में भारतीय वायु सेना ने भी सक्रिय भूमिका निभाई जिसने सी-17 एयरक्राफ्ट के जरिए माकोसेर्स (विशेष समुद्री कमांडो) को एम. वी. रूपेन पर एयर ड्राप करवाया। इस एयरक्राफ्ट के सक्रिय सहयोग से दो लडाकू नौकाओं को भी उनके सटीक स्थान तक पहुंचाया। भारतीय नौसेना ने अनेक विदेशी जलयानों की सुरक्षा में भी सहयोग दिया है।

ਨਿਆਂ ਪਰ ਕਾਈਅ-ਏ-ਕਿਣੀਆ ਆਪਾਤਕਾਲ ਦੇ ਬਦਤਰ ਅਨ੍ਤਕਾਲ....?

क्या भारत में ।

के बाद शासक पर हुग्रूरह्ल सवा हो जाता है ? क्या फिर सत्ता वेशासन को बदनाम या लज्जित करने के लिए नहीं, बल्कि सत्यपर आधारित है, आजादी के बसत्रह साल पं जवाहर लाल नेहरू की सरकार रही, जिसने कविवादित फैसले लिए, जिनसे देख कई दृष्टि से प्रभावित हुआ, उसने बाद इंदिरा जी आई, उन्होंने १ करीब एक युग अर्थात् बारह साल राज किया, जिसमें आपातकाल व बीस महीने शामिल थे, इनके बाकुछ अल्पकालिक प्रधानमंत्री और और इस शताब्दी के प्रारंभ में डे

विवादाद फसल लिए आर एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री के राज में देश अपने अर्थशास्त्र में फिसल गया, इनके बाद पिछले करीब एक दशक से भी ज्यादा समय से श्री नरेन्द्र कुमार दामोदरदास मोदी देश के प्रधानमंत्री है, जिनके इरादे देश पर हावी होने का प्रयास कर रहे हैं।

यह सब मैंने आज इसलिए याद दिलाया क्योंकि आगे जो मैं बताना चाहता हूँ, वह किसी भी देश के प्रजातंत्र के लिए सुखद नहीं कहा जा सकता। हमारा भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्री देश माना जाता रहा है, यद्यपि हमने इस विश्वव्यापी विश्वास को कई बार खण्डित करने का प्रयास किया, जिससे विश्वव्यापी विश्वास का उत्तराधिकारी होता नजर आने लगा है।

यह सर्वज्ञता है कि प्रजातंत्र की परिभाषा जहां ह्याजनता वेलिए, जनता के द्वारा और जनता का शासनलहू है, वहीं प्रजातंत्र वेद्योधित रूप से चार और अधोषित रूप से तीन अंग है, धोषित रूप से कार्यपालिका, न्यायपालिका जनपालिका और खबरपालिका है, लेकिन समय ने खबरपालिका को इससे बाहर कर दिया क्योंकि खबरपालिका ने अपने दायित्व के सही तरीके से पालन नहीं किया। इसलिए अब प्रजातंत्र के शेष तीनी अंग शेष रहे, हमारा इतिहास जैसी ही तरीके से चलना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने एक शराबी को किया
गिरफ्तार

परसा। शराब पीकर हंगाम कर रहे
एक शराबी को पुलिस ने गिरफ्तार
कर लिया। गिरफ्तार शराबी पर उत्तरव
अधिकारियों के तहत प्राथमिकी के दर्ज
करते हुए लेले भेज दिया। उत्तरव
शराबी स्थानीय धनांश के सिकटी गयी
निवासी देलाल राम का पुत्र राज
कुमार राम बताया जाता है।

15 लीटर देशी शराब किया जब्त

परसा छुप्प सुनवा के आधार पर पुलिस
ने शान क्षेत्र के परसों में छापेमारी
करते हुए 15 लीटर देशी शराब जब्त
कर लिया। उत्तरव अधिकारियों के तहत
प्राथमिकी दर्ज करते हुए गिरफ्तारी
के लिए छापेमारी की जा रही है।

मौज़ी झाना पुलिस ने शराब के
साथ तस्कर की गिरफ्तारी

मौज़ी झाना पुलिस ने गृह सुनवा के आधार पर घोटाहट के सम्बन्ध
से एक शराब तस्कर को शुक्रवार के
स्कूटी समेत दबोच लिया। इस सम्बन्ध
में गृह सुनवा के बायां अभियं
कुमार राम बताया की सूखावा मिली
थी कि एक तस्कर स्कूटी की डिज्नी
में शराब छुप्पा कर ले जा रहा है। पुलिस
ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्कूटी
पर सवार होकर भाग जाए तस्कर को
पीछा करके पकड़ लिया।

तस्कर तस्कर की डिज्नी से लेगेशन 15 लीटर
शराब बरामद होने की खबर है।

विद्यालय से कंप्यूटर देशी होने

की लेकर प्रधानाध्यापक ने दर्ज

कराई प्राथमिकी

तरया थाना क्षेत्र के पंचांगिंडा गांव
रित मध्य विद्यालय पंचांगिंडा से रात्रि
में विद्यालय के दरवाजा को ढूँढ़ती काटकर

अज्ञात घोरों द्वारा कम्प्यूटर की देशी
करते हुए एक बायां अधिकारियों

में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है दर्ज

प्राथमिकी में कहा गया है कि सुपर

स्टार सेक्युरिटी प्राइवेट लिमिटेड

द्वारा 11 नवंबर 2023 को 10 कम्प्यूटर

विद्यालय में लगाया गया था। 20 मार्च 2024

को जब विद्यालय पहुंचा तो बच्चों ने

बताया कि कंप्यूटर करक्ष के दरवाजा

का छुप्पा कर दिया है।

पुलिस ने प्राथमिकी के दर्ज

दर्ज कराई प्राथमिकी

